गौरी कुप्पुस्वामी

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
कर्नाटक गायन संगीत

GOWRI KUPPUSWAMY

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Carnatic Vocal Music

तमिलनाडु के पुकुकोट्टई गाँव में 2 अगस्त 1931 को जन्मी, श्रीमती गौरी कुप्पुस्वामी ने जी. एन. बालासुब्रमण्यम, डॉ. एम. एल. वसंत कुमारी, एस. कल्याणरमन और आर. के. श्रीकांतन से गायन संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्रीमती गौरी को गंगूभाई हंगल संगीत विश्वविद्यालय, मैसूर और अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय से संगीत में डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिली है। आपने एस. रामनाथन से वीणा वादन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। आपने कर्नाटक के मैसूर विश्वविद्यालय के ललित कला महाविद्यालय में संगीत की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। आप मदुरै, केरल, बेंगलुरु, मैसूर और कोयंबटूर विश्वविद्यालयों के संगीत अध्ययन बोर्ड की सदस्य भी रही हैं। आपने तंजौर के राग, भारतीय कला में संगीत, स्वाति तिरुनल की रचनाएँ, यूरोपीय नोटेशन में ओरिएंटल संगीत और दक्षिण भारतीय संगीत के गीतों का इंडेक्स जैसी पुस्तकों की रचना की है। आपने मुथुस्वामी दीक्षितार की चतुर्दश रागमालिका पर एक मोनोग्राफ भी तैयार किया है। आप पिछले पचास वर्षों से आकाशवाणी की कलाकार हैं और देश–विदेश के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुतियाँ देती रही हैं। बीबीसी ने 1975 में आप पर एक वृत्तचित्र का निर्माण किया था।

आपको कई पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत किया गया है, जिसमें 2019 में कर्नाटक सरकार द्वारा दिया गया निजगुण पुरंदरा पुरस्कार; और मद्रास संगीत अकादमी, 2015 द्वारा दिया गया सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ पुरस्कार भी शामिल है।

कर्नाटक गायन संगीत में योगदान के लिए श्रीमती गौरी कुप्पुस्वामी को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाना था किंतु 6 जून 2023 को उनका देहांत हो गया, अतः यह पुरस्कार उनको मरणोपरांत दिया जा रहा है।

Born on 2 August 1931 in Pukukottai village of Tamil Nadu, Shrimati Gowri Kuppuswamy had received training in vocal music under G.N. Balasubramanium, M.L. Vasantha Kumari, S. Kalyanaraman and R.K. Sreekantan. She has also trained in Veena under S. Ramanathan.

Shrimati Gowri Kuppuswamy was awarded PhD degree for her thesis 'A Comparative Study of the Scales of Karnatak and Western Music' by Arizona University, USA in 1982, and was conferred Honorary Doctorate by Karnataka State Dr. Gangubai Hangal University for Music and Performing Arts, Mysuru, on 7 March 2017. She has served as Professor and Head of the Department of Music in the College of Fine Arts, Mysore University, Karnataka. She has many reputed publications to her name, some of them being *Ragas of Tanjore*, *Music in Indian Art*, *Swati Tirunal's Compositions*, *Oriental Music in European Notation*, and *Index of Songs of South Indian Music*. She has also produced a monograph on *Chaturdasa Ragamalika of Muthuswami Dikshitar*. She has for the past fifty years been a concert artist with the All India Radio and other cultural organisations in India and abroad. BBC has made a full-length documentary on her work in 1975.

Shrimati Gowri has been bestowed with many awards and honours, such as the Nijaguna Purandara Award by the Karnataka State in 2019.

Shrimati Gowri Kuppuswamy was to receive the Sangeet Natak Akademi Amrit Award in person for her contribution to Carnatic vocal music. To our deep regret, she passed away on 6 June 2023. The Award is bestowed on her posthumously.